Chemical Hazard, Mock Exercise

Noida, Uttar Pradesh

Chemical Hazard, Mock Exercise – Noida, Uttar Pradesh on 06 October 2006

1. The Mock Exercise was conducted on 06 October 2006 in Greater Noida, Uttar Pradesh for Chemical Disaster Response. Two MAH units, namely Hindustan Petroleum Corporation Limited (HPCL) LPG Bottling Plant and Arikav Fab (Pvt) Limited (Chemical Handling Unit) were chosen for the simulation exercise.

Detail of Participants: -

2. **State & District Administration:** The District Administration of Noida, Fire Services, Medical Facilities (including private hospitals), Noida Police, Revenue, Supply, Transport, Electricity, Water, Public Relations Departments at the district level and other State and District Officials.
3. **Neighbouring State:** Chief Fire Officer, Delhi. Fire Tenders and HAZMAT vehicle ex-Delhi Fire Services were requisitioned.
4. **National Disaster Response Force:** One Team.
5. The Exercise was witnessed by the Vice Chairman & Members of NDMA.

Remarks: -

6. The Mock Exercise was well covered by the electronic and print media including live coverage. The principal gain of the Mock Exercise was that all stakeholders came to know of their roles and responsibilities in the event of a disaster and their capabilities to achieve them.

ITBP

DECON
ITBP

NDMA
ARIKAV FAB PVT. LTD
DECON
ITBP

NDRF

उद्योगों में हादसे रोकने के लिए सुरक्षा अभ्यास

एनडीआरएफ की पहली बटालियन नोएडा पहुंची

एनडीआरएफ की पहली बटालियन नोएडा पहुंची

नेशनल सहारा 7-10-06

पुष्पेन्द्र/ वटवाल स्थित एचपीसीएल परिसर में शुक्रवार को मौक ड्रिल के दौरान एनडीआरएफ के जवान।

उपयोगी साबित हो सकती है फोर्स

ग्रेटर नोएडा। नोएडा व ग्रेटर नोएडा औद्योगिक क्षेत्र में आए दिन होने वाली आगजनी व विस्फोट की घटनाओं में जानमाल की हानि रोकने के लिए एनडीआरएफ बेहद उपयोगी साबित हो सकता है। एक बटालियन क्षेत्र में चौबीसों घंटे अलर्ट रहेगी। बस, घटना की सूचना फोर्स तक पहुंचनी चाहिए। गौरतलब है कि पिछले दो माह में यहां आग और विस्फोट की घटनाओं में दो दर्जन से भी अधिक लोग जान गवां चुके हैं। बताया गया कि फोर्स की एक बटालियन नोएडा-ग्रेटर नोएडा में रहेगी। फिलहाल, अभी कोई स्थान निश्चित नहीं किया गया है। फोर्स विस्फोट, आगजनी और महामारी की स्थिति में जनरक्षा तो करेगी ही, घटना को कैसे रोका जाए, इसके लिए प्रशिक्षित भी करेगी। माना जा रहा है कि अगर प्रशासन ने चुस्ती से काम किया तो अब हादसों में जानमाल की हिफाजत की जा सकेगी।

नेशनल डिजास्टर रेस्पॉन्स फोर्स का गठन

ग्रेटर नोएडा। औद्योगिक इकाइयों में भोपाल गैस त्रासदी जैसी घटना को रोकने के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने नेशनल डिजास्टर रेस्पॉन्स फोर्स का गठन किया गया है। शुक्रवार को [illegible] फोर्स के जवानों ने कासना स्थित हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) परिसर में मौक ड्रिल की।

आगजनी व केमिकल विस्फोट के दौरान जानमाल की हिफाजत कैसे की जाए, इसके रिहर्सल की शुरुआत सुबह 11 बजे [illegible] के साथ शुरू हुई। [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

[illegible] कार्बन डाई ऑक्साइड [illegible] [illegible] [illegible] पानी की बौछार [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का गठन किया गया था। [illegible] [illegible] [illegible] प्राधिकरण ने नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स का गठन किया है। [illegible]

बटालियन में 145 सदस्य होंगे। चार बटालियन मुंबई, कोलकाता, पुणे व नोएडा में तैनात होंगी। शेष बटालियन मुख्यालय में रहेंगी। इसके अलावा, आगजनी की छोटी घटनाओं को रोकने के लिए 18 टीमें बनाई गई हैं। प्रत्येक टीम में 45 लोग शामिल किए गए हैं। फिलहाल, संस्था ने 16 राज्यों में अपना कार्यालय बनाया है। बटालियन के पास तमाम उपकरण केमिकल किट्स और मेडिकल सुविधाएं मौजूद रहेंगी। साथ ही इस प्रकार के उपकरण भी होंगे, जिनसे यह पता लगाया जा सके कि कौन सी गैस का रिसाव हो रहा है और उसमें कैसे इलाज किया जाए। इस मौके पर दादरी, एसडीएम, पुणे के सिविल कमिश्नर दीपक त्रिवेदी, संस्थान की कार्यकारी निदेशक दीप्ति और मुखर्जी सहित पुलिस व प्रशासन के कई अधिकारी मौजूद थे। ब्यूरो

हि० राष्ट्रीय टाइम्स [illegible] 7-10-06

एचपीसीएल में मौक ड्रिल संपन्न

❖16 प्रदेशों में आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों का गठन

[illegible]

अमर उजाला
20-9-06

नोएडा हाईटेक सिटी आपदा प्रबंधन की बैठक करते जिलाधिकारी अजय चौहान।

दै० जागरण
20-9-06

आपदा के समय होगी 'हैली एंबुलेंस'

संवाददाता, नोएडा

किसी भी आपदा से निपटने में नोएडा की व्यवस्था कितनी पुख्ता है, इसका अंदाजा आपदा के समय ही बेहतर ढंग से लगाया जा सकता है। लेकिन एहतियात के तौर पर आस-पास के क्षेत्रों को देखते हुए पुलिस-प्रशासन ने अभी अपनी इंतजामों पर गौर करना शुरू कर दिया है। यहां तक कि शहर व आसपास के लोगों को आपदा

शहर की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए उपकरणों के बारे में ली जानकारी

में घिर होने पर चिकित्सा सुविधा मुहैया कराने के लिए हैली एंबुलेंस की व्यवस्था को तत्काल करने के लिए अमली जामा पहनाया जाएगा। इस बारे में जरूरी उपकरणों का इस्तेमाल व उनकी खरीद में आने वाले खर्च के बारे में भी विचार किया गया। इन बातों पर मंगलवार को जिलाधिकारी अजय चौहान की अध्यक्षता में पुलिस कंट्रोल रूम में हुई आपदा प्रबंधन की बैठक में विचार-विमर्श किया गया। बैठक में नोएडा व आसपास हुई कई घटनाओं को देखते हुए आधुनिक उपकरणों की खरीद में आने वाले खर्च का ब्यौरा जल्द भेजे जाने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए गए। हैली एंबुलेंस आपदा में घिरे लोगों की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है, इसके मद्देनजर इस व्यवस्था को अंजाम देने के लिए भी विचार किया गया। जानकारी के अनुसार बैठक में अग्निशमन विभाग के पास मौजूद उपकरणों पर भी विचार किया गया। इसके अलावा आपदा के समय किस तरह से कम से कम नुकसान हो और अधिक से अधिक लोगों की जान-माल की रक्षा की जाए, इस पर नीति बनाई गई। बैठक में यह तय किया गया कि अक्टूबर माह में प्रबंधन की मॉक ड्रिल कराई जाए, ताकि आपदा से निपटने में कितने इंतजाम पुख्ता हैं, इसका सही पता से आकलन हो सके। बैठक में उपायुक्त, एसएसपी अजयपाल राठौर, प्राधिकरण, प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी मौजूद थे।

पुलिस कंट्रोल रूम में डिजास्टर मैनेजमेंट पर आयोजित बैठक में उपस्थित जिलाधिकारी अजय चौहान। जागरण

हिन्दुस्तान
2

आपातकालीन स्थिति से निपटने को मैकड्रिल किया जाएगा: डीएम

नोएडा में जल्द ही उड़ेंगी एम्बुलेंस

औपचारिकताएं पूरी, प्रस्ताव मंत्रालय को भेजा

17-9-06

डीएम की बैठक

नोएडा। डीएम अजय चौहान की अध्यक्षता में मंगलवार को सेक्टर-14 स्थित पुलिस कंट्रोल रूम में एक महत्वपूर्ण बैठक सुबह साढ़े दस बजे होगी। 'मॉक ड्रिल आन इंडस्ट्रीयल एंड केमिकल डिजास्टर मैनेजमेंट एट नोएडा' विषय के संबंध में विचार विमर्श होगा।

दै. हिन्दुस्तान 20-9-06

मॉक ड्रिल से मिलेगा हादसों से निबटने का अंदाज

नोएडा (ह.सं.)। देश भर में आ रही प्राकृतिक आपदा या नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट ने नोएडा में एक मॉक ड्रिल करने का मन बनाया है। इसके लिए मैनेजमेंट ने ग्रेटर नोएडा के एचपीसीएल पेट्रोल प्लांट को चुना है। पुलिस कंट्रोल रूम में हुई बैठक में इस बात पर निर्णय लिया गया है कि अगर शहर में कोई प्राकृतिक आपदा आ जाए या फिर बड़ी घटना घट जाए तो उस समय पुलिस व प्रशासन को क्या निर्णय लेने चाहिए।

बैठक में बताया कि गुजरात में बाढ़, मुम्बई में बलास्ट किसी क्षेत्र में भूकंप की तबाही के बाद अक्सर देखा गया है कि वहां का प्रशासन व पुलिस प्राकृतिक कहर के आगे बौने साबित हुए। इस कारण ऐसी व्यवस्था की जाए जिससे अगर कोई ऐसी घटना घटे तो उसका तुरंत इंतजाम हो सके। इस संबंध में डीएम अजय चौहान ने बैठक में मंत्रालय से आए आदेशों की जानकारी दी और कहा कि कुछ ऐसी तैयारियां की जाएं जिससे हर स्थिति से निपटा जा सके।

इस बैठक में जानकारी दी गई कि नोएडा में 16 अक्टूबर को ग्रेटर नोएडा के पेट्रोल गोदाम पर इसकी मॉक ड्रिल कराई जाएगी और देखा जाएगा कि प्रशासन व पुलिस इस स्तर पर कितनी सक्षम है। इसके अलावा इसकी अगली बैठक 22 तारीख को दिल्ली के गौहर होटल में की जाएगी जिसमें गृह मंत्रालय सहित नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट के लोग मौजूद होंगे।

डीएम ने बांटी जिम्मेदारी

ग्रेटर नोएडा (का.सं.)। डीएम अजय चौहान की अध्यक्षता में मंगलवार को मॉक ड्रिल ऑन इंडस्ट्रियल एंड केमिकल डिजास्टर मैनेजमेंट पर हुई बैठक में विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक हुई बैठक में दुर्घटनाओं से निपटने हेतु आवश्यक जारी दिशा निर्देश पर पहल कराने के निर्देश दिए गए।

दुर्घटना से होने वाली क्षति से बचाव के लिए कासना के औद्योगिक क्षेत्र में आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए मॉक ड्रिल कराने का निर्णय लिया गया। ड्रिल के संचालन की जवाबदेही प्रशिक्षु आईएएस सौम्य गुप्ता को सौंपी गई। जिलाधिकारी अजय चौहान ने स्वास्थ्य विभाग को ड्रिल के समय ग्रेटर नोएडा स्थित कैलाश अस्पताल एवं जिला अस्पताल से दो मोबाइल वैन स्वास्थ्य अधिकारियों को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

इससे औद्योगिक संस्थानों में होने वाले मॉक ड्रिल के दौरान मृतकों और घायलों को अस्पताल पहुंचाया जा सके। मॉक ड्रिल के लिए जिलाधिकारी कार्यालय में कंट्रोल रूम खोला जाएगा। कंट्रोल रूम से जुड़ी प्रशासनिक व्यवस्था की जवाबदेही उप जिलाधिकारी (सदर) की होगी। ग्रेटर नोएडा अथॉरिटी इसके लिए वाटर टैंकर, जेसीबी, डम्परों की व्यवस्था करेगी। सहायक परिवहन अधिकारी की जवाबदेही बसें उपलब्ध कराने की होगी। उप पुलिस अधीक्षक देहात मॉक ड्रिल के समय पार्किंग व फायर स्टेशन फेस 1 एवं 2 फायर से निपटने हेतु पूर्ण व्यवस्था करेंगे।

दै. हिन्दुस्तान 20-9-06

दै० राष्ट्रीय सहारा
5-10-06

छह को मौक ड्रिल रिहेसल

गौतमबुद्धनगर (ब्यूरो)। जनपद गौतमबुद्धनगर का ऑफ साइट इमरजेंसी मैनेजमेंट प्लान का विकास आपदा प्रबंधन संस्थान, भोपाल (डिजास्टर मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट) द्वारा किया गया है। इस प्लान का रिहेसल 6 अक्टूबर को प्रातः 11 बजे मैसर्स हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लि. कासना ग्रेटर नोएडा में किया जाएगा। उक्त सूचना जिलाधिकारी अजय चौहान ने एचपीसीएल के सभागार में आयोजित बैठक में देते हुए बताया कि रिहर्सल में राष्ट्रीय आपदा प्रबंध न प्राधिकरण डीएमए भी अपना सहयोग प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि सभी एमएएच कारखानों के ऑन साइट इमरजेंसी मैनेजमेंट प्लान बने हैं और इनका समय-समय पर रिहर्सल भी होता रहता है। कारखानों में अगर कोई इस प्रकार की घटना हो जाए, जिसका प्रभाव कारखाना परिसर से बाहर स्थित आबादी पर पड़े तो ऐसी दशा में आफ साईट इमरजेंसी मैनेजमेंट प्लान के अनुसार जिला प्रशासन विभिन्न विभागों के समन्वय से समस्या निस्तारण सुनिश्चित करता है। इसी उद्देश्य से मै. हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लि. कासना ग्रेटर नोएडा में नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा, एनडीएमए के सहयोग से आफ साईट आपात प्रबंधन योजना का रिहर्सल मौक ड्रिल आयोजित किया गया है, जिससे भविष्य में एक्शन प्लान बनाया जा सके और भविष्य में उस पर पूर्णतः अमल करके होने वाली दुर्घटना पर अंकुश लगाया जा सके और जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

दै० हिन्दुस्तान
5-10-06

इमरजेंसी मैनेजमेंट प्लॉन का रिहर्सल शुक्रवार को

नोएडा (व.सं.)। गौतमबुद्ध नगर का ऑफ-साइड इमरजेंसी मैनेजमेंट प्लॉन का विकास भोपाल के आपदा प्रबंधन संस्थान द्वारा किया गया है। इस प्लान का रिहर्सल हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड के कासना स्थित बाटलिंग प्लांट में छह अक्टूबर को किया जाएगा।

डीएम अजय चौहान ने एचपीसीएल के सभागार में आयोजित इमरजेंसी मैनेजमेंट प्लांट की बैठक में उक्त निर्णय लेते हुए बताया कि इस रिहर्सल में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण भी सहयोग कर रहा है। उन्होंने कहा कि सभी एमएएच कारखाना के ऑन साइट इमरजेंसी मैनेजमेंट प्लांट बने हैं और इनका समय-समय पर रिहर्सल भी होता रहता है। कारखानों में अगर कोई आकस्मिक घटना हो जाए, जिसका प्रभाव कारखाना रिसर से स्थित आबादी पर पड़े तो ऐसी दशा में ऑफ-साइट इमरजेंसी मैनेजमेंट प्लान के तहत जिला प्रशासन विभिन्न विभागों के समन्वय से समस्या निस्तारण सुनिश्चित करता है। उन्होंने कहा कि इसी उद्देश्य से छह अक्टूबर को एचपीसीएल के कासना स्थित बाटलिंग प्लांट में एनडीएमए के सहयोग से मैकड्रिल का आयोजन किया गया है। बैठक में उपस्थित एनडीएमए के समन्वयक ले.जनरल डॉ. भरद्वाज ने बताया कि ग्रेटर नोएडा में राष्ट्रीय स्तर की मैकड्रिल आयोजित की जा रही है। मैकड्रिल के दौरान कारखानों में होने वाली दुर्घटना से पीड़ितों को सहायता पहुंचाने, घायलों के इलाज, अग्निकांड पर अंकुश लगाने के लिए कार्रवाई करने, दुर्घटना से प्रभावित व्यक्तियों को राहत स्थल तक पहुंचाने, उनको खाद्यान्न उपलब्ध कराये जाएंगे।

दै० जागरण
5-10-06

ऑफ साइट इमरजेंसी प्लान की रिहर्सल कल

संवाददाता, ग्रेटर नोएडा

किसी भी कारखाने या गैस प्लांट में आग लगने के समय आसपास के लोगों को प्रभावित होने से बचाने के लिए उनको सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने के साथ आग को काबू में करने की रिहर्सल छह अक्टूबर को एचपीसी बाटलिंग प्लांट पर की जाएगी। उक्त जानकारी जिलाधिकारी अजय चौहान ने दी। रिहर्सल के संबंध में बुधवार को विभिन्न विभाग के अधिकारियों के एक बैठक हिंदुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड कासना में हुई।

जिलाधिकारी अजय चौहान ने बताया कि सभी एमएएच कारखानों के ऑन साइट इमरजेंसी प्लान बने हुए हैं। इनकी समय-समय पर रिहर्सल होती रहती है। कारखानों के अंदर ऐसी कोई घटना होती है, जिसका प्रभाव परिसर के बाहर स्थिति आबादी पर पड़े तो ऐसी स्थिति में ऑफ साइट इमरजेंसी प्लान के अनुसार जिला प्रशासन के विभिन्न विभागों के समन्वय से समस्या के निस्तारण सुनिश्चित करता है। इसी उद्देश्य से हिंदुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड कासना ग्रेटर नोएडा में एनडीएमसी के सहयोग से ऑफ साइट आपदा प्रबंधन योजना की रिहर्सल आयोजित की जाएगी। इसके बाद भविष्य में एक्शन प्लान बनाया जाएगा। इसी प्लान पर भविष्य में अमल किया जाएगा और दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाया जाएगा। एनडीएम ए के सदस्य समन्वयन ले. जनरल डॉ. भारद्वाज ने कहा कि ग्रेटर नोएडा में पहली बार राष्ट्रीय स्तर की मॉक ड्रिल होगी। कारखानों में होने वाली दुर्घटनाओं से पीड़ितों को सहायता पहुंचाने, घायलों के इलाज, अग्निकांड पर अंकुश लगाने के त्वरित कार्रवाई, दुर्घटना से प्रभावित लोगों को राहतस्थल तक पहुंचाने और उनको भोजन उपलब्ध कराने जैसी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। एनडीएमए के सलाहकार रिटायर्ड ब्रिगेडियर खन्ना ने कहा कि रिहर्सल के दौरान एचपीसीएल में दुर्घटना होने पर सायरन बजेगा। सबसे पहले एचपीसीएल ही सुरक्षा करेगा। जब स्थिति काबू से बाहर हो जाएगी, तो जिला प्रशासन को सूचित किया जाएगा। इसके बाद जिला प्रशासन संबंधित विभाग व अधिकारियों को सूचित करके दुर्घटना को काबू में करने का प्रदर्शन करेगा। इस मौके पर मेजर जनरल डा. जेके बंसल सदस्य समन्वयन एनडीएमए, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आरकेएस राठौर, सिटी मजिस्ट्रेट हिमांशु गौतम, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी अशोक मिश्रा, फायर अधिकारी एमी पांडेय, एनडीआरएफ के कमांडेंट सीआर निर्माण, एआरटीओ आरऔर सोनी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

एचपीसीएल में मॉक ड्रिल की तैयारी पर विचार-विमर्श करते जिलाधिकारी व एनडीएमए के समन्वयक सलाहकार। जागरण

[illegible] 7-10-06

आपदाओं से निपटने के लिये मौक ड्रिल की लोगों को दी गई जानकारी

जय हिन्द संवाद

गौतमबुद्ध नगर। जनपद गौतमबुद्ध नगर में प्रथम मौक ड्रिल आयोजित की गयी है। भविष्य में गुड़गांव, गुजरात एवं [illegible] में मौक ड्रिल प्रस्तावित है। [illegible] पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। यह कहना है राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष जनरल एन.सी.विज का। श्री विज ग्रेटर नोएडा में चल रहे मौक ड्रिल के बाद लोगों को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन के सहयोग से मौक ड्रिल कराया जा रहा है जिससे आम लोगों, उद्योगपतियों एवं सभी संस्थानों को अपने कर्तव्यों का बोध हो सके। जिला स्तर पर औद्योगिक संस्थानों में होने वाली दुर्घटनाओं में नियंत्रण लाने में सहयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि सभी विभागों का समन्वय स्थापित करके एक निर्णय लिया गया है। भविष्य में औद्योगिक संस्थानों में सुरक्षा के उपाय के लिए एक्शन प्लान बनाया जाएगा। मौक ड्रिल में जो खामियां रह गयी हैं उन्हें भविष्य में दूर किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि भोपाल गैस त्रासदी देश के किसी भी कोने में भविष्य में न हो इसी उद्देश्य से राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का भारत सरकार ने गठन किया है। इंडियन एंड केमिकल डिजास्टर पर मौक ड्रिल किया गया। एच.पी.सी.एल. में कृत्रिम दुर्घटना होने पर घायल कर्मियों को स्वास्थ्य विभाग द्वारा तात्कालिक चिकित्सा सुलभ कराने के लिए उपलब्ध एम्बुलेंसों से निकट के अस्पतालों में भर्ती कराया गया। एच.पी.सी.एल. में स्वयं प्रबंध तंत्र ने अपने सुरक्षा दस्तों से सुरक्षा के उपाय किए। एन.डी.आर.एफ. के जवानों ने दुर्घटनाग्रस्त क्षेत्र से पीड़ितों को [illegible] का निकाला।

कासना स्थित अमीचन्द कालेज परिसर में दुर्घटनाग्रस्त क्षेत्र के आस पास लोगों को ठहराया गया जहां नोएडा लोकमंच एवं आरडब्लूए के पदाधिकारियों एवं नागरिक सुरक्षा संगठन के पदाधिकारियों ने उनके खाने एवं पीने व ठहराने की व्यवस्था की है।

जिला प्रशासन एवं एन.डी.एम.ए. के तत्वाधान में दोनों दुर्घटना स्थलों पर तात्कालिक सुरक्षा का [illegible] की व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाएं सराहनीय रहीं।

जिलाधिकारी अजय चौहान, एन.डी.एम.ए. उपाध्यक्ष जनरल एन.सी.विज, राहत आयुक्त दीपक त्रिवेदी, विशेष सचिव कमल सक्सेना, डिप्टी कमांडेंट डी.एस.सेन्धवाल, डा.राकेश दुबे डिप्टी डायरेक्टर डिजास्टर मैनेजमेंट, पी.पी.सिंह डीआईजी फायर, लेफ्टिनेंट जनरल डा.भारद्वाज व मेजर जनरल डा.जे.के.बंसल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आर.के.एस.राठौर, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डा.अशोक मिश्रा, अपर जिलाधिकारी राजेश कुमार, अजय दीप सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट हिमांशु गौतम, उपजिलाधिकारी राजीव कुमार आदि लोग उपस्थित थे।

[illegible] 7-10-06

डिजास्टर ड्रिल समीक्षा में चिकित्सा सुविधाओं का अभाव

संवाददाता ग्रेटर नोएडा

डिजास्टर ड्रिल के बाद की गई समीक्षा में प्रशासनिक सक्रियता और व्यवस्था को संतोषजनक पाया गया लेकिन क्षेत्र में चिकित्सा सुविधाओं का अभाव मिला। समीक्षा में स्पष्ट हुआ कि [illegible] प्राकृतिक आपदाओं और भीषण अग्निकांड जैसी दुर्घटनाओं से निपटने के लिए व्यवस्था और प्रशासनिक सक्रियता पूरी तरह से है लेकिन चिकित्सकीय स्तर पर सरकारी सुविधाओं का पूर्ण अभाव है। ऐसी दुर्घटना अथवा आपदा होने पर अच्छी चिकित्सा सुविधाओं के बूते पर निपटना बहुत मुश्किल [illegible] है।

एनडीएमए (नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी) और जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में ग्रेटर नोएडा की एचपीसीएल (हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड) में डिजास्टर ड्रिल का [illegible] किया गया। कंपनी में [illegible] अलार्म बजते ही अफरातफरी मच गई। अग्निकांड की खबर पाकर कंपनी के अधिकारियों ने तत्काल इसकी सूचना [illegible]

प्रशासनिक सक्रियता और व्यवस्था संतोषजनक पाई गई

[illegible]

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को ग्रेटर नोएडा में चिकित्सा सुविधाओं की [illegible] रिपोर्ट भेजेंगे। [illegible] नोएडा में [illegible] किया जा चुका है।

Chemical Hazard, Mock Exercise

Pithampur, Madhya Pradesh

Chemical Hazard, Mock Exercise – Pithampur, Madhya Pradesh on 12 March 2007

1. The Mock Exercise was conducted on 12 Mar 07 at Pithampur, Dhar Distt, M.P. Pithampur was selected as it has 13 MAH Units and is considered Detroit of India. Multiple disasters in three MAH Units were depicted. Fire had taken 11 lives in one of the units in 1998.

Detail of Participants: -

2. **State & District Administration:** State & District officials, Executive Director, DMI, Bhopal, besides a large no. of senior executives from neighbouring industries in Pithampur.
3. **Local Resources:** The emergency response units of the three MAH units and resources of Dhar and Indore districts. Demonstration by DRDE on Response.
4. **National Disaster Response Force:** One Team.
5. The Mock Exercise was witnessed by the Member, and Specialist, NDMA.

Remarks: -

6. The main lessons learnt from the exercise were mutual aid program against disasters engulfing multiple units and gaps in medical facilities in the industrial township. There is a 30 bed hospital with only 10 beds and out of 3 doctors posted, only one is present and no specialist facilities.

DECON
ITBP
12.03.2007 12:03

12.03.2007 11:34

NDRF
12.03.2007 09:53

पीथमपुर को माकड्रिल के लिए चुना

रासायनिक आपदा से करेंगे बचाव

पूर्व थलसेना अध्यक्ष मौजूद रहेंगे

प्रेमविजय पाटिल

धार। जिले का पीथमपुर क्षेत्र देशभर में रासायनिक खतरों के मामले में आपदा प्रबंधन की दृष्टि से चयनित किया गया है। इसकी वजह यह है कि वहाँ स्थित 16 अति घातक व 72 कम घातक इकाइयाँ स्थापित हैं, जिसमें प्रक्रिया के दौरान घातक रसायन निकलकर लोगों की जान संकट में डाल सकते हैं। इसी दृष्टि से अचानक घटना होने पर बचाव संबंधी उपाय के अभ्यास को 12 मार्च को बड़ी गंभीरता के साथ किया जाएगा। इसमें खुद राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन बोर्ड के पदाधिकारी यानी पूर्व थलसेना अध्यक्ष श्री विज उपस्थित रहेंगे। इस दिन भारत गैस पेट्रोलियम की इकाई में अचानक आग लगेगी और वहाँ से यह आग अन्य दो इकाइयों में फैलेगी।

इस तरह का एक बनावटी घटनाक्रम (माकड्रिल) तैयार करते हुए इस अभ्यास को किया जाएगा, जिससे किसी भी तरह की वास्तविक स्थिति में आपदा आने पर निपटा जा सके। औद्योगिक क्षेत्र पीथमपुर में 13 ऐसी इकाइयाँ हैं, जिन्हें अति घातक माना जाता है। जबकि 3 घाटाबिल्लोद क्षेत्र में हैं। हालांकि 16 में से एक इकाई बंद पड़ी हुई है। ये इकाइयाँ खुद घातक तत्व तैयार नहीं करती हैं किंतु अपने उत्पादकों को बनाने के दौरान उनमें ऐसे तत्व निकलते हैं, जो मानव जीवन के लिए खतरनाक साबित हो सकते हैं। 72 ऐसी छोटी इकाइयाँ भी हैं, जिन्हें घातक की द्वितीय श्रेणी में रखा गया है। वैसे इन इकाइयों में सतत रूप से सुरक्षा के इंतजाम किए जाते हैं किंतु इस बार भारत सरकार ने एशिया के मानचित्र पर विशेष स्थान रखने वाले पीथमपुर को इस अभ्यास के लिए चुना है। इस बारे में इस प्रतिनिधि ने विभागीय सूत्रों से चर्चा की। उन्होंने बताया कि इसको लेकर कड़ा अभ्यास किया जा रहा है। भले ही यह बनावटी अभ्यास (माकड्रिल) है किंतु इसमें किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरती जा सकती है। इसके लिए आज विकास भवन में बैठक का आयोजन किया गया। जहाँ पर अधिकारियों को अपने-अपने दायित्वों के साथ निर्देश जारी किए गए हैं। इसमें पीथमपुर स्थित भारत गैस फैक्टरी में अचानक गैस के कारण आग लगेगी, जिसके बाद यह आग कटन वाली कपास उद्यम वाली फैक्टरी प्रतिभा सिन्टेक्स पहुँचेगी, जहाँ से हिन्दुस्तान मोटर्स पर भी आग लगने का खतरा रहेगा। इन तीनों स्थान पर क्रमशः आग बुझाने की कवायद के लिए साढ़े 6, 5 व सवा 3 मिनट का समय निर्धारित किया है। इतने अल्प समय में पीथमपुर के फायर स्टेशन से आग पर काबू पाने के लिए वाहन पहुँचना जरूरी रहेगा।

कमांडो रहेंगे तैनात

इस आयोजन के लिए विशेष रूप से दिल्ली से भी दल आ रहा है। केंद्र सरकार के अधिकारियों के साथ-साथ आयोजन को लेकर कमांडो भी बुलाए गए हैं, जो आकस्मिक परिस्थितियों से जूझते हुए लोगों को बचाने का काम करेंगे। कलेक्टर से लेकर अन्य सभी अधिकारी अपने नियमित काम में व्यस्त रहेंगे, जिन्हें अचानक आग लगने की सूचना दी जाएगी और वे घटना स्थल पर पहुँचने में फुर्ती दिखाएँगे। इन सभी बातों की गणना की जाएगी। किस व्यक्ति को कितना समय लगेगा यह भी अध्ययन किया जाएगा।

अमोनिया व क्लोरिन है जानलेवा

वैसे तो इस क्षेत्र में 11 इकाइयाँ खतरनाक श्रेणी में हैं ही किंतु सूत्रों का कहना है कि तीन ऐसी इकाई हैं, जहाँ से अमोनिया व क्लोरिन गैस का रिसाव हो सकता है।

इस लिहाज से सुरक्षा के लिए इन इकाइयों पर भी विशेष निगरानी रखी जाने लगी है। आमतौर पर ऐसी इकाइयों में सुरक्षा संबंधी कड़े मापदंड रखे जाना चाहिए किंतु देखने में यह आया है कि वहाँ पर इस तरह के मापदंडों का शत-प्रतिशत पालन नहीं किया जाता है।

48 घंटे तक भर सकते हैं टैंकर में पानी

इस प्रतिनिधि ने जब सुरक्षा संबंधी व्यवस्था की जानकारी ली तो ज्ञात हुआ कि पीथमपुर में 2 लाख गैलन पानी का एक विशेष टैंक बनाया गया है, जो आग से बचाव के लिए ही तैयार किया गया है।

इसके तहत 200 टैंकर पानी भरा जा सकता है। यानी यदि सतत रूप से पानी भरा जाए तो 48 घंटे तक पानी की आपूर्ति की जा सकती है। जबकि वर्तमान में पीथमपुर फायर स्टेशन के पास 10 वाहन हैं। 4 वाहन और इस आयोजन हेतु मिलना है। एंबुलेंस एक है, जबकि अन्य व्यवस्था भी फायर स्टेशन के पास है। विभाग के पास रासायनिक आग से बचाव हेतु विशेष 4 सूट भी हैं।

झुग्गी बस्ती खाली कराई जाएगी

जिन तीन इकाइयों के आसपास अभ्यास होना है, वहाँ की झुग्गी बस्तियों को भी खाली करवाने के लिए कार्रवाई की जाएगी। इससे यह अंदाजा लगाया जाएगा कि किस तरह से घातक रसायन निकलने या आग लगने पर लोगों की जान बचाई जा सकती है। इसके लिए एंबुलेंस से लेकर अन्य चिकित्सा सुविधाएँ भी त्वरित रूप से वहाँ पहुँचाई जाएँगी। अभ्यास के दौरान हो सकता है कि यातायात को कुछ जगह पर रोका जाए इसलिए व्यावहारिक रूप से भी लोगों को कठिनाई हो सकती है। पीथमपुर में ये देश की सबसे बड़ी कवायद संभावित दृष्टि से मानी जा रही है।

FREE PRESS
Indore ■ Sunday March 11, 2007

First time in State

Chemical disaster management programme on Monday

FREE PRESS NEWS SERVICE
MHOW

FOR the first time in the State, National Disaster Management Authority would conduct chemical disaster management programme at nearby industrial area Pithampur. The management programme is being organised under the aegis of M P Disaster Management Organisation, Bhopal. National Disaster Management Authority vice-chairman former Army chief General N C Wij will participate in the programme.

In this regard M P Disaster Management Organisation's head Dr Rakesh Dube informed that Bharat Petroleum's bottling plant, and two industries including Prathibha Syntex have been selected for this programme.

A live demonstration of chemical fire control would be conduced on Monday at the premises of Bharat Petroleum's bottling plant. The demonstration would also display the steps undertaken by district administration and the industries in controlling fire caused by chemicals. Lt Gen G R Bhardwaj, principle secretary State housing and environment, labour commissioner, Dhar district panchayat CEO Navnit Kothari, superintendent of police Pravin Mathur, and senior officials from Delhi and near by districts would remain present on this occasion.

All departments are extending cooperation to district and police administration for making necessary arrangements for this programme. Latest equipment are being received from Bhopal.

Dr Dube said that Prime Minister is the chairman of National Disaster Management Authority. He added that such programmes would also be conducted in Karnataka, Andhra Pradesh, Maharashtra, Rajasthan, Gujarat, and other parts of the country.

नईदुनिया 11
इंदौर, रविवार 11 मार्च 2007

रासायनिक आपदा से किया जाएगा बचाव

प्रेमविजय पाटिल/अनवर खान

धार/भाजीश। जिले का पीथमपुर क्षेत्र देशभर में रासायनिक खतरों के मामले में आपदा प्रबंधन की दृष्टि से चयनित किया गया है। इसकी वजह यह है कि वहाँ स्थित 16 अति घातक व 72 कम घातक इकाइयाँ स्थापित हैं, जिनमें प्रक्रिया के दौरान घातक रसायन निकलकर लोगों की जान संकट में डाल सकते हैं। इसी दृष्टि से अचानक घटना होने पर बचाव संबंधी उपाय के अभ्यास को 12 मार्च को बड़ी गंभीरता के साथ किया जाएगा। इसमें खुद राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन बोर्ड के पदाधिकारी यानी पूर्व थलसेना अध्यक्ष श्री विज उपस्थित रहेंगे। इस दिन भारत गैस पेट्रोलियम की इकाई में अचानक आग लगेगी और वहाँ से यह आग अन्य दो इकाइयों में फैलेगी।

इस तरह का एक बनावटी घटनाक्रम (मॉकड्रिल) तैयार करते हुए इस अभ्यास को किया जाएगा, जिससे किसी भी तरह की वास्तविक स्थिति में आपदा आने पर निपटा जा सके। औद्योगिक क्षेत्र पीथमपुर में 13 ऐसी इकाइयाँ हैं, जिन्हें अति घातक माना जाता है जबकि 3 धाटाबिल्लोद क्षेत्र में हैं। हालाँकि 16 में से एक इकाई बंद पड़ी हुई है। ये इकाइयाँ खुद घातक तत्व तैयार नहीं करती हैं किंतु अपने उत्पादकों को बनाने के दौरान उनमें ऐसे तत्व निकलते हैं, जो मानव जीवन के लिए खतरनाक साबित हो सकते हैं। 72 ऐसी छोटी इकाइयाँ भी हैं, जिन्हें घातक की द्वितीय श्रेणी में रखा गया है। वैसे इन इकाइयों में सतत रूप से सुरक्षा के इंतजाम किए जाते हैं किंतु इस बार भारत सरकार ने एशिया के मानचित्र पर विशेष स्थान रखने वाले पीथमपुर को इस अभ्यास के लिए चुना है। इस बारे में इस प्रतिनिधि ने विभागीय सूत्रों से चर्चा की। उन्होंने बताया कि इसको लेकर कड़ा अभ्यास किया जा रहा है भले ही यह बनावटी अभ्यास (मॉकड्रिल) है किंतु इसमें किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरती जा सकती है। इसके लिए आज विकास भवन में बैठक का आयोजन किया गया जहाँ पर अधिकारियों को अपने-अपने दायित्वों के साथ निर्देश जारी किए गए हैं। इसमें पीथमपुर स्थित भारत गैस फैक्टरी में अचानक गैस के कारण आग लगेगी, जिसके बाद यह अग्निकांड यानी कपास उद्यम वाली फैक्टरी प्रतिभा सिन्टेक्स पहुँचेगी, वहाँ से हिन्दुस्तान मोटर्स पर भी आग लगने का खतरा रहेगा। इन तीनों स्थान पर क्रमशः आग बुझाने की कवायद के लिए साढ़े 6, 5 व सवा 3 मिनट का समय निर्धारित किया है। इतने अल्प समय में पीथमपुर के फायर स्टेशन से आग पर काबू पाने के लिए वाहन पहुँचना जरूरी रहेंगे।

कमांडो रहेंगे तैनात

इस आयोजन के लिए विशेष रूप से दिल्ली से भी दल आ रहा है। केंद्र सरकार के अधिकारियों के साथ-साथ आयोजन को लेकर कमांडो भी बुलाए गए हैं, जो आकस्मिक परिस्थितियों से जूझते हुए लोगों को बचाने का काम करेंगे। कलेक्टर से लेकर अन्य सभी अधिकारी अपने नियमित काम में व्यस्त रहेंगे, जिन्हें अचानक आग लगने की सूचना दी जाएगी और वे घटना स्थल पर पहुँचने में फुर्ती दिखाएँगे। इन सभी बातों की गणना की जाएगी। किस व्यक्ति को कितना समय लगेगा यह भी अध्ययन किया जाएगा।

अमोनिया व क्लोरीन है जानलेवा

वैसे तो इस क्षेत्र में 11 इकाइयाँ खतरनाक श्रेणी में हैं ही किंतु सूत्रों का कहना है कि तीन ऐसी इकाइयाँ हैं, जहाँ से अमोनिया व क्लोरीन गैस का रिसाव हो सकता है। इस लिहाज से सुरक्षा के लिए इन इकाइयों पर भी विशेष निगरानी रखी जाने लगी है। आमतौर पर ऐसी इकाइयों में सुरक्षा संबंधी कड़े मापदंड रखे जाना चाहिए किंतु देखने में यह आया है कि वहाँ पर इस तरह के मापदंडों का शत-प्रतिशत पालन नहीं किया जाता है।

48 घंटे तक भर सकते हैं टैंकर में पानी

इस प्रतिनिधि ने जब सुरक्षा संबंधी व्यवस्था की जानकारी ली तो ज्ञात हुआ कि पीथमपुर में 2 लाख गैलन पानी का एक विशेष टैंक बनाया गया है, जो आग से बचाव के लिए ही तैयार किया गया है। इसके तहत 200 टैंकर पानी भरा जा सकता है। यानी यदि सतत रूप से पानी भरा जाए तो 48 घंटे तक पानी की आपूर्ति की जा सकती है। जबकि वर्तमान में पीथमपुर फायर स्टेशन के पास 10 वाहन हैं। 4 वाहन और इस आयोजन हेतु मिलना है। एंबुलेंस एक है, जबकि अन्य व्यवस्था भी फायर स्टेशन के पास है। विभाग के पास रासायनिक आग से बचाव हेतु विशेष 4 सूट्स भी हैं।

झुग्गी बस्ती खाली कराई जाएगी

जिन तीन इकाइयों के आसपास अभ्यास होना है, वहाँ की झुग्गी बस्तियों को भी खाली करवाने के लिए कार्रवाई की जाएगी। इससे यह अंदाजा लगाया जाएगा कि किस तरह से घातक रसायन निकलने या आग लगने पर लोगों की जान बचाई जा सकती है।

Chemical disaster that never occurred!

Firemen extinguishing fire (L&M); Lt Gen Dr Bharadwaj and other witnessing the mock drill in Pithampur (R). Free Press photos

FREE PRESS NEWS SERVICE
MHOW

VENUE: Pithampur Industrial Area
DATE: Monday
SCENE I: Major fire broke out at Indian Oil Gas plant following explosion of domestic gas cylinder engulfing the Pratibha Syntex as well in Pithampur Industrial area.
SCENE II: Fire tenders with their paraphernalia came rushing to the incident site to bring the fire under control.
SCENE III: Blaring horns an ambulance appears on the site to take the 'victims' to the hospital.
SCENE VI: Administrative officials visited the hospital to inquire about the arrangements made and met the patients.

Please be advised that there was nothing real about the scenes mentioned above, as they were sequence of a mock drill of high-level chemical disaster organised at Pithampur Industrial area on Monday. The drill was organised under the aegis of National Disaster Management Authority and Institute of Disaster Management.

National Disaster Management Authority member Lt Gen Dr J R Bharadwaj, Dr J R Dubey and in charge collector Navneet Kothari marked their presence in the mock drill that was performed at Bharat Petroleum Gas Plant, Pratibha Syntex and AVTEC. The first show of mock drill was carried out at Bharat Petroleum Gas Plant. In the mock drill, fire broke out from Indian Oil Gas plant following blast of a domestic gas cylinder that engulfed premises of Pratibha Syntex as well. To control the inferno, fire tenders were pressed into service and they managed to douse the fire. Later, an ambulance came into the picture that took victims, which were effigies, to near by hospitals. In charge collector also participated in the mock drill. He too was given a vital role. Witnessing the dummy programme, Bharadwaj visited Pithampur government hospital to take first hand information of the facilities made available there. Hospital in charge Dr Shiv Mangal Awasthi informed the official that the hospital sans basic facilities. On hearing his plight, Bharadwaj assured to put efforts to change the face of the hospital.

Meanwhile, speaking to media persons, Bharadwaj said that in India three mock drills have been organised first in Noida, second in Gurgaon and third in Pithampur. However, at the same time he expressed discontentment over the drill and said that there is much to be done to ensure safety.

पीथमपुर में गैस रिसी, तीन कंपनियां चपेट में!

11.15 से 2.15 बजे तक चला प्रदर्शन

3 कंपनियों में गैस रिसाव व आगजनी पर काबू पाकर दिखाया

कैसे पाया आपदा पर काबू

Chemical (Industrial) Hazard, Mock Exercise – Mangalore, Karnataka

Chemical (Industrial) Hazard, Mock Exercise – Mangalore, Karnataka

1. Karnataka has over 78 Major Accident Hazard (MAH) Units, 13 of which are located in Mangalore, hence it was chosen for the Mock Exercise on Chemical (Industrial) Disaster.

2. Within Mangalore, Mangalore Chemical & Fertilizers Ltd (MCFL) alongwith the New Mangalore Port Trust (NMPT) were shortlisted for the Mock Exercise as these are most hazardous, handling Ammonia, Urea, Fertilizers, other chemicals and petroleum products.

3. The Orientation cum Coordination Conference was held in the Conference Hall of DC Mangalore on 02 May 07.

4. The Table Top Exercise was conducted on 15 May 07 by the Specialist (Training & Capacity Development), NDMA.

5. The Mock Exercise was conducted on 13 June 07.

Details of Participants: -

6. **Orientation cum Coordination Conference.** Deputy Commissioner, Mangalore, IG Fire Services Karnataka, SP Mangalore, Chief Inspector of Factories & Boilers Karnataka, CMO, RTO, Information Officer, Circle Officers of Dakshin Kannada District, General Managers of Mangalore Chemical and Fertilizers Ltd, New Mangalore Port Trust, Representative from NDRF Bn at Pune, Senior Manager from Mangalore Refineries Petroleum Ltd, and other industries in Mangalore, in all about 50 persons attended the Conference, which was addressed by Specialist (Coordinator) NDMA.

7. **Table Top Exercise.** Besides DC, SSP, Chief Fire Officer, CMO, Commissioner Mangalore Municipality, Medical Superintendent of selected hospitals, Vice Chairman, New Mangalore Port Trust, Senior Manager (Safety) Mangalore Chemical and Fertilizers Limited (MCFL), other

neighbouring industries and representatives from all line departments of the district and State Jt Director of Factories & Boilers & State DM Chief Fire Officer took part. From NDMA, Specialist (Training & Capacity Development), Consultant & SRO, Director DMI Bhopal and Consultant FICCI attended.

8. **Mock Exercise.** From the Dakshina Kannada District, all stakeholders like Police, Fire Services, Home Guard, CMO of three hospitals, Food & Supply Department, Municipal Corporation of Mangalore, RTO, Pollution Control Board etc took part. MCFL and NMPT were represented in full strength. Besides neighbouring industrial units also participated under Mutual Aid Program. Observers were detailed from neighbouring districts. 250 villagers from two neighbouring villages participated. In all there were approximately 1500 personnel who took active part in the Exercise.

Conduct of Mock Exercise

9. The mock exercise was conducted in Mangalore on 13 Jun 07. Four situations were painted necessitating activation of 'on-site' and 'off-site' plans by MCFL, NMPT and the district administration. ICP was established at Bharat Scouts & Guides Bhavan. The Home Guards, NDRF team and the fire services personnel created lasting impression. The Industries and the district administration coordinated their efforts in a harmonious manner. Despite heavy downpour, the mock exercise achieved its laid down objectives and was very successful. The event was extensively covered by the local visual and print media. Overall, it was a very successful Mock Exercise.

Remarks

10. (a) 'Onsite' and 'offsite' plans of MCFL & NMPT need to be revisited and made as per schedule 11 & 12 of MoEF Rules and NDMA Guidelines on Chemical (Industrial) disasters.

(b) There is shortage of personal protective equipment with the Industry's first responders.

(c) There is a need to have a bye-pass for Mangalore on NH 17 as NH 17 has heavy traffic and passes through industrial area and Mangalore town.

(d) The pipelines carrying hazardous gases need to be secured including option for laying them underground.

(e) Industries may be encouraged to spread general awareness in the neighbouring villages. They may also adopt them.

13 6 2007

13 6 2007

MCF LTD
13 6 2007

13 6 2007

13 6 2007

13 6 2007

13 6 2007

13 6 2007

13 6 2007

16
13 6 2007

13 6 2007

13 6 2007

ESF 1
ESF 3
CIVIL SUPLY

SUMAYYA

MOCK EXERCISE
CHEMICAL (INDUSTRIAL) DISASTER MANAGEMENT
Organised by
National Disaster
Management Authority
(Govt. of India)
District Administration
Dakshina Kannada Dist.
&
Dept. Of Factories & Boilers
Govt. of Karnataka

CENTRE

ESF 3
ESF 5
RELIEF FOOD &
CIVIL SUPPLY
ESF 2
MEDICAL &

Bisleri

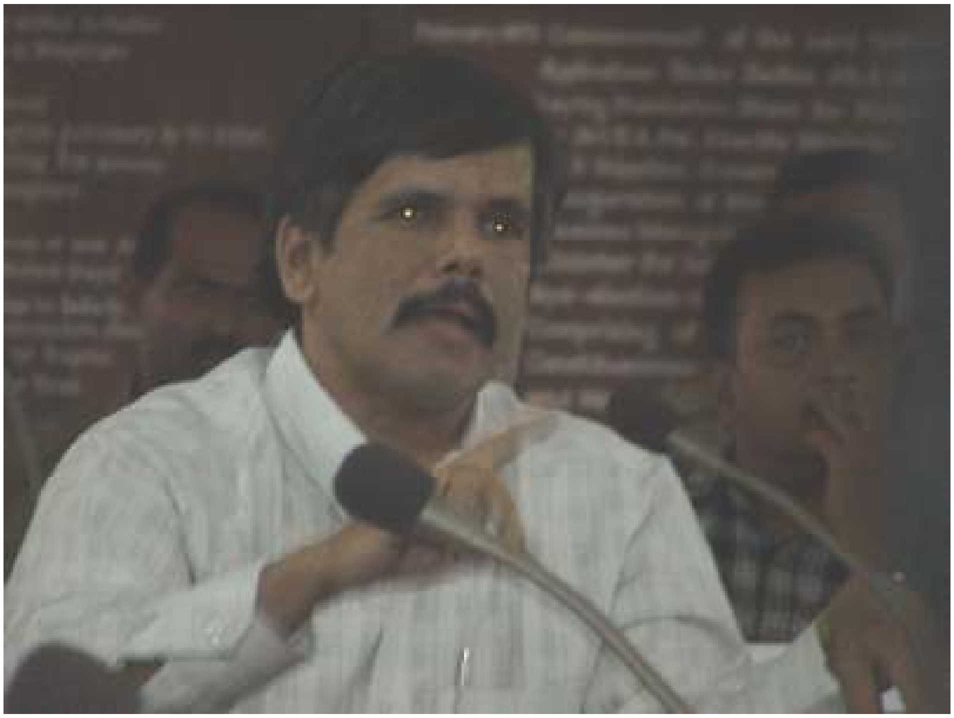

Chemical (Industrial) Hazard,

Mock Exercise – Vishakhapatnam

(AP)

Chemical (Industrial) Hazard Mock Exercise – Visakhapatnam

(Andhra Pradesh)

1. Andhra Pradesh has over 70 Major Accident Hazard (MAH) units, Visakhapatnam was chosen for the Mock Exercise as it has over 15 MAH units and about 800 industrial units.

2. Within Visakhapatnam (Vizag), Hindustan Petroleum Corporation Limited (HPCL), Andhra Petro Chemical Limited (APCL) and Coromandal Fertilizers Limited (CFL) were short-listed for the Mock Exercise as these are more hazardous, handling propylene, molten sulphur and ammonia gases.

3. The Orientation-cum-Coordination Conference was held in the Control Room of Disaster Management Division in State HQ at Hyderabad on 29th June, 2007.

4. The Table Top Exercise was conducted by the Senior Specialist (Training & Capacity Development) in the Conference Hall of DC Vizag on 14th July, 2007.

5. The Mock Exercise was conducted on 23rd August, 2007.

Details of Participants

6. **Orientation-cum-Coordinating Conference**

a) **From NDMA**. Brig. (Dr.) B.K. Khanna, Sr Specialist, Dr. R.K. Sharma, Additional Director DRL Tajpur & Technical Advisor, NDMA and Dr. Rakesh Dubey, Director, DMI, Bhopal.

b) **From State/District**. Smt. Asha Murthy, Special Chief Secretary, Labour Employment, Training and Factories Department, Smt. Preeti Sudan, Principal Secretary, DM, Shri A.K. Khan, DG Fire & Emergency Services, Mr. Koteshwar Rao, Director of Factories, Shri R.V. Rajan, IG Police, Smt. R. Sobha, Addl. Secretary AP Pollution Control Board, Mr. G.D. Priyadarshini, Addl. CDM, Shri KV Singh,

Sr. Manager, F&S, Capt. (IN) S.S. Tripathi, Dy. Conservator, Visakhapatnam, Shri K.D. Dhankar, DIG, CISF, MSA, Shri PSB Nair, Sr. Comdt., NDRF, Arakonam, Cdr. DK Swain, FLNBCDU, Visakhapatnam, TEC Vidyasagar, Member State Core Group, Er. Mahender, Jt. Chief Inspector of Factories, Shri S. Rajagopalan, Scientific Officer, Safety Eng. Division, NFC, Hyderabad, Shri G Satyanarayan Raju, Jt. Chief Inspector of Factories, VSP, Shri KBS Prasad, Inspector of Factories, Hyderabad, Shri KN Srihari, Dy. Chief Inspector of Factories HQ, Shri Milind Bhole, Dy. Cdr. FST, NISI, Shri NSR Murthy, Chief Chemist, ONGC Rajamudry, Dr. KV Ramani, Jt. Chief Environment Security APPCB, Dr. GK Srivastava, Emergency Response Manager, NFC, Hyderabad Shri Jayaram Naik, Regional Fire Officer, Eastern Region, Hyderabad. In total, there were approximately 50 participants. They were briefed by Specialist, NDMA on the objectives, scope and conduct of Table Top & Mock Exercise. APCL and CFL were chosen for the Mock Exercise. Shri Koteshwar Rao, Director of Factories & Shri GS Raju were nominated on State & District Nodal Officer. There were over 55 participants.

7. **Table Top Exercise**:

a) **NDMA/ DMI**. Brig. (Dr.) BK Khanna, Dr. RK Sharma, Dr. Rakesh Dubey, Director DMI, Dr. Asit Patra, AD and Sri Prakash Trivedi, Program Officer, DMI.

b) **State Govt**. Ms. GD Priyadarshani, Additional Commissioner (DM) and Mr. Koteshwar Rao, Director of Industries.

c) **NDRF**. Mr. PSB Nair, Sr. Comdt. of Bn. CISF, Arakonam, Shri Dhankar, DIG CISF, VSP and Shri AS Challadurai, Sr. Comdt. CISF, VSP.

d) **Indian Navy**. Capt. (IN) SS Tripathi and one officer ex HQ Eastern Naval Command.

e) **District Administration**. Shri Anil K. Singal, Collector, VSP, Mr. NS Rao, Commissioner of Police, VSP, SP, Dy. SP Police, Distt. Chief Fire Officer, Supply Officer, SE R&B, SE Irrigation, EE, Panchayati Raj, Jt. Director Animal Husbandry, JD Agriculture, JD Fisheries, Mr. GS Raju, Jt. Chief Inspector of Factories, representatives from State Pollution Control Board and from Vizag Municipal Corporation, Safety Officer, Vizag

Port Trust and supporting staff. District Crisis Management Group was represented by three members.

f) **Industries**. Senior and middle level management from HPCL, APCL, CFL, BPCL, East India Petroleum Limited, GAIL, NTPC, Hindustan Zinc Ltd., Steel Authority of India.

g) In total these were 80 participants. After presentation from the key district functionaries and targeted three industrial units, three main scenarios and connected situation were painted by the Specialist, NDMA and reactions of concerned stakeholders sought.

8. **Mock Exercise**

a) **NDMA**. Brig. (Dr.) BK Khanna, Dr. RK Sharma and Dr. Rakesh Dubey, Director, DMI, Bhopal.

b) **State**. Ms GD Pridarshini, AC(DM) & Mr. Koteshwar Rao, Director of Industries.

c) **NDRF**. Comdt. NDRF Bn. Arakkonam and one team from NISA, Hyderabad.

d) **Indian Navy**. COS Eastern, Naval Comdt. And three naval officers, Two SAR teams and Fire Services.

e) **District**. Collector, DRO, Police Commissioner, DC (Law & Order), DC (Traffic), Chief Fire Officer, Vizag, DMO and MDs of two nominated hospitals, Commissioner, Vizag Municipal Corporation, District Supply Officer, District PRO.

f) **Industries**. Senior and middle management of APCL, BPCL and CFL. Overall there were 120 personnel took part.

Conduct

9. They were briefed on 22 August by the Sr Specialist NDMA. There were three main scenarios painted, two for APCL and one for CFL. Ths situations required response in a graduated manner. 'On site' and 'off site' plans of both the industrial units were activated by the industries and the district administration. The response of the first responders like police, fire services etc. was good. The mutual aid program by APCL, CFL, HPCL and Vizag Port Trust were put into execution. The Incident Commander coordinated the exercise in a professional manner. All the ESF functioned well. The exercise was extensively covered by the print and electronic

media. There was prolonged debriefing session in which frank views were exchanged.

Lessons Learnt

10. (a) There was shortage of personal protection equipment (PPE) with the industries first responders, police, and even fire services. None of the drivers who brought the responders had PPE.

    (b) There was inadequacy of ambulances.

    (c) The antidote for the gas leak was not known to the medical faculty.

    (d) There is no burn ward in any of the hospitals in Vizag.

BN.
(T.N)

8

इण्डेन

TABLE TOP E
ANDHRA PRADESH
VISHAKHAP
14th July, 2

Chemical (Industrial) Hazard, Mock Exercise – Chittaurgarh (Rajasthan)

Chemical (Industrial) Hazard Mock Exercise – Chittaurgarh

(Rajasthan)

1. Rajasthan has 110 Major Accident Hazard (MAH) Units. Chittaurgarh was chosen as it has two MAH on manufacturing zinc and also providing sulphur dioxide, a toxic gas and the others a potential hazard unit with huge storage capacity of fuel & lubricants.

2. The Orientation-cum-Coordination Conference was held in the Conference Hall of Collector Chittaurgarh on 17 August 2007 and the Table Top Exercise was conducted on 06 September. The Mock Exercise was conducted on 24 September 2007.

Participants

3. Coordination and Orientation Conference:

(a) **From NDMA**. Brig (Dr. B K Khanna, Specialist, NDMA and Dr R K Sharma, Additional Director, DRL, Tejpur
(b) **From DMI, Bhopal**. Dr. Rakesh Dubey, Director, DMI.
(c) **From State**. Shri L L Arya, Director of Industries, Shri GS Mutha, Deputy Secretary, Relief and Shri Sita Ram Gupta, OSD, Govt. of Rajasthan.
(d) **From District**. Dr. PL Agarwal, Collector, Shri Bhupinder Sahu, SSP, Dr. RN Khedia, Deputy DMO, SDMs, Tehsildars, RTO, Supply Officer, Information Officer, CEO, Chittaurgarh Municipal Council, PHED, Department of Heavy Water, Irrigation, Revenue etc.
(e) **Industries**. Senior management of Hindustan Zinc Ltd., Indian Oil Corporation Ltd. And Cement Companies in Chittaurgarh.
(f) In total there were 55 participants.
(g) **Conduct**. The Director of Industries gave the industrial hazard profile of Rajasthan and delved in detail about MAH in Chittaurgarh. Shri R K Bansal, Vice-President of Hindustan Zinc Ltd & Shri S Julka, Terminal General Manager, Indian Oil Corporation gave presentation in their company's profile. The aim, objectives, scope, participation and conduct of Table Top and Mock Exercise were explained to participants.

4. **Table Top Exercise**

(a) **From NDMA**. Brig (Dr. B K Khanna, and Dr R K Sharma.
(b) **From DMI, Bhopal**. Dr. Rakesh Dubey.
(c) **From State**. Director & Joint Director of Industries, Rajasthan and Deputy Secretary Relief.
(d) **From District**. SP, CEO Municipal Council, Addl Collector, SDMs, Tehsildars, PRO, PMO, Dy Fire & Emergency Services, RTO, SHO, EE PHED, NYKS, CUTS (NGO), Vice President Hindustan Zinc Ltd., GM IOC, GM Aditya Birla.
(e) In total there were 65 participants.
(f) **Conduct**. The presentations were made by SP, CEO Municipal Council, Dy Fire Services, Chief and Vice President of Hindustan Zinc Ltd., PMO, and PRO. Three main scenarios of LPG leak leading to BLEVE, leak from 100 kg Chlorine Gas Cylinder and leakage in Sulphuric Acid Plant were depicted. There were gaps in Fire & Emergency Services, coordination among various departments and medical inadequacy.

5. **Mock Exercise**

(a) **From NDMA**. Brig (Dr. B K Khanna, and Dr R K Sharma.
(b) **From DMI, Bhopal**. Dr. Rakesh Dubey.
(c) **From State**. Director of Industries and Deputy Secretary Relief.
(d) **From District**. Collector, SP, Addl CEO Chittaurgarh Municipal Council, SDMs, SE PHED, PRO, Tehsildars, TA Water Treatment, JENWR, RTO, S E Water Department, S E Electricity Department, Senior Management & Staff of Hindustan Zinc Ltd., Senior Management of Aditya Cement, IOC Terminal, MB, Chittaurgarh & villagers of two neighbouring villages.
(e) In total there were 2800 participants.
(f) Conduct.

(i)The observers detailed by the State from outside Rajasthan were briefed by Coordinator.

(ii) The scenarios were painted one by one and in a graduated manner. The On-Site plan of HZL was tested and found to be reasonable. The Off-Site plan of HZL had gaps which are given in succeeding paras.

1. **Lessons Learnt.**

(a) Shortage of PPE. There is shortage of PPE with Industry and almost nil availability with the district administration.

(b) Shortage of FF Equipment. There is shortage of manpower as also acute shortage of FF Equipment, including fire tenders.

(c) Hospital Preparedness. There are no burn wards in any of the hospitals in Chittaurgarh. A 3-4 bed burn ward is recommended. The medical staff also needs to be made aware of the emergency response, antidote and treatment for burn cases.

(d) First Responders of HZL. HZL needs to procure state-of-the-art fire fighting technology equipment, ambulances and improve pressure of water in water hydrants.

AMBULANCE

AMBULANCE

रासायनिक आपदा प्रबन्धन कार्यशाला
दिनांक 17.8.2007
जिला-चित्तौड़गढ़

रासायनिक आपदा प्रबन्धन
टेबल टॉप अभ्यास